चंपारण सत्याग्रह - 2025

पंचायती राज पर आधारित सम्मेलन

'चंपारण सत्याग्रह 2025'
का आयोजन 21वीं सदी में महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सिद्धांतों और पंचायती राज प्रणाली को आधुनिक संदर्भ में पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

मोतिहारी

आयोजक
लोक कल्याण फाउन्डेशन

अमित कुशवाहा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
लोक कल्याण फाउन्डेशन

+91 8986451551 www.theamitkushwaha.in info@theamitkushwaha.in

अमित कुशवाहा

राष्ट्रीय अध्यक्ष
लोक कल्याण फाउन्डेशन

नमस्कार,

मैं अमित कुशवाहा, चंपारण सत्याग्रह 2025 का आयोजक, आप सभी को इस ऐतिहासिक और प्रेरणादायक आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूं। यह केवल एक इवेंट नहीं है, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है, जो हमारे समाज को बदलने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक मार्गदर्शक बन सकता है। चंपारण सत्याग्रह 2025 का आयोजन हमारी महान सांस्कृतिक धरोहर, हमारे देश के इतिहास, और हमारी जड़ों से जुड़ा हुआ है। इस इवेंट का उद्देश्य सिर्फ एक मंच प्रदान करना नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष है, जो समाज के सबसे कमजोर वर्ग की आवाज़ को सुनने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है। अगर हम अपने समाज को सशक्त बनाना चाहते हैं तो हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा और इतिहास से सीखना होगा।

सामाजिक परिवर्तन की दिशा में योगदान: चंपारण सत्याग्रह 2025 समाज में जागरूकता फैलाने, सामूहिक समस्याओं को पहचानने और उनका समाधान करने का एक अवसर है। हम सब मिलकर पंचायतों और स्थानीय शासन की भूमिका को सशक्त बना सकते हैं, ताकि हर नागरिक को अपने अधिकारों का एहसास हो सके। लोकतांत्रिक भागीदारी: यह इवेंट आपको यह समझने का अवसर देगा कि कैसे पंचायती राज और स्थानीय सरकारों में आपकी भागीदारी हमारे देश की प्रगति में अहम भूमिका निभा सकती है। इतिहास से प्रेरणा: चंपारण सत्याग्रह एक ऐतिहासिक घटना है, जिसने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी थी।

आज, हम इस सत्याग्रह के 2025 संस्करण में उस संघर्ष की भावना को जीवित रखकर समाज में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्थानीय समस्याओं का समाधान: इस इवेंट के दौरान हम स्थानीय समस्याओं पर विचार करेंगे और उनका समाधान निकालने के उपायों पर चर्चा करेंगे। साथ ही, पंचायतों को मजबूत बनाने की दिशा में एक साझा दृष्टिकोण तैयार करेंगे। आपका योगदान, हमारी शक्ति: अगर आप समाज में बदलाव लाना चाहते हैं, तो इस इवेंट का हिस्सा बनें। आप जैसे जागरूक नागरिकों के सहयोग से ही हम अपने देश और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। हम सभी को यह समझना चाहिए कि सत्ता सिर्फ सत्ता में बैठने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तब सार्थक होती है जब हम अपने लोगों की भलाई के लिए काम करते हैं। चंपारण सत्याग्रह 2025 का हिस्सा बनकर आप न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़े होंगे, बल्कि यह आपके व्यक्तिगत और सामूहिक विकास का भी एक अवसर होगा। तो आइए, इस इवेंट का हिस्सा बनें, साथ मिलकर हम संघर्ष, समाज सुधार, और स्थानीय शासन की सशक्तता के लिए एक नई राह पर चलें। यह हमारे समाज और देश की दिशा तय करेगा।

आपका,
अमित कुशवाहा
संस्थापक, चंपारण सत्याग्रह 2025

चंपारण सत्याग्रह 2025: पंचायती राज पर आधारित सम्मेलन

उद्देश्य: चंपारण सत्याग्रह 2025 का आयोजन 21वीं सदी में महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सिद्धांतों और पंचायती राज प्रणाली को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है

(क) मानवाधिकारों का सम्मान और सुशासन: प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना और हर नागरिक को स्वच्छ, न्यायपूर्ण और पारदर्शी शासन प्रदान करना।

(ख) कानून का शासन और लोकतंत्र को सशक्त करना: लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करना और राज्य द्वारा दिए गए अधिकारों की जिम्मेदारी निभाना।

(ग) लोक प्रशासन में पारदर्शिता और क्षमता का विकास: पंचायत राज संस्थाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और सक्षम बनाना।

(घ) समावेशी नागरिकता: राज्य और उसके संस्थानों से नागरिकों की जवाबदेही सुनिश्चित करना ताकि लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो सकें।

यह कार्यक्रम पंचायतों के माध्यम से गांधीजी के ग्राम स्वराज के विचारों को पुनः जीवित करेगा और समाज के प्रत्येक वर्ग को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा।

चंपारण सत्याग्रह 2025 का आयोजन गांधीजी के विचारों को आगे बढ़ाने और पंचायत राज प्रणाली को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करेगा कि पंचायती राज केवल एक प्रशासनिक ढांचा नहीं, बल्कि एक जीवंत और प्रभावी लोकतांत्रिक प्रक्रिया बने, जो ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा और उनके विकास के लिए समर्पित हो। यह कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को एक मजबूत लोकतंत्र और समावेशी विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाकर, हम गांधीजी के ग्राम स्वराज के आदर्शों को साकार करने का संकल्प लें और पंचायत राज के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करें।

इस इवेंट की आवश्यकता क्यों है?

चंपारण सत्याग्रह 2025 का आयोजन इस दृष्टिकोण को प्रकट करने के लिए किया जा रहा है कि पंचायती राज प्रणाली के बिना एक सशक्त लोकतंत्र संभव नहीं है। गांधीजी का सपना था कि गांव स्वावलंबी हों, और प्रशासन का निर्णय वही करें, जो उन्हें चाहिए। यह कार्यक्रम गांधीजी की विचारधारा और ग्राम स्वराज के सिद्धांतों को समझने, लागू करने और 21वीं सदी के भारत में पंचायतों की भूमिका को पुनः सशक्त करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

(क) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण: गांधीजी के अनुसार, असल लोकतंत्र वही है जो निचले स्तर पर, यानी गांवों तक पहुंचे। पंचायती राज की प्रणाली हर नागरिक को लोकतंत्र का सशक्त भागीदार बनाती है।

(ख) जन भागीदारी और अधिकार: यह कार्यक्रम हमें याद दिलाएगा कि लोकतंत्र में सभी का अधिकार और कर्तव्य समान है, चाहे वह गरीब हो या अमीर, महिला हो या पुरुष।

(ग) स्वशासन और स्थानीय संसाधनों का प्रयोग: गांवों को उनके संसाधनों का सही उपयोग करने और खुद के विकास के लिए जिम्मेदार बनाने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के मुख्य विषय और चर्चा के बिंदु

(क) गांधीजी की पंचायती राज पर दृष्टि: ग्राम स्वराज और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की आवश्यकता।

(ख) लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी: गांधीजी के विचारों के अनुसार लोकतंत्र का सही रूप और इसके लिए पंचायतों का महत्व।

(ग) पारदर्शिता और जवाबदेही का निर्माण: पंचायत राज संस्थाओं में पारदर्शिता लाने के उपाय।

(घ) स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग: गांधीजी के सिद्धांतों के तहत ग्राम पंचायतों द्वारा अपने स्थानीय संसाधनों का विकास।

(ङ) सामाजिक और आर्थिक विकास की प्रक्रिया: पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार लाने के उपाय।

(च) ग्राम स्वराज का गांधीवादी मॉडल: पंचायत राज व्यवस्था के माध्यम से गांधीजी के ग्राम स्वराज के आदर्शों को आधुनिक युग में लागू करना।

इस इवेंट से क्या लाभ होगा?

(क) पंचायती राज की सशक्तीकरण: कार्यक्रम पंचायत राज की व्यवस्था में सुधार, जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ाने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगा। सामाजिक और राजनीतिक बदलाव: यह कार्यक्रम गांधीजी के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए ग्राम स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक बदलाव को प्रेरित करेगा।

(ख) समावेशी विकास: गरीबों, महिलाओं और अन्य हाशिए पर पड़े समुदायों को पंचायत राज व्यवस्था में अधिक भागीदारी देने का रास्ता खुलेगा।

(ग) लोक प्रशासन में सुधार: पंचायतों में कार्यवाही की पारदर्शिता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

(ध) ग्राम स्वराज के विचारों को जीवित करना: गांधीजी के ग्राम स्वराज के सिद्धांतों को पुनः स्थापित करना, ताकि गांवों में एक वास्तविक लोकतंत्र का निर्माण हो सके।

इस इवेंट में कौन भाग ले सकता है?

यह सम्मेलन उन सभी के लिए खुला है जो पंचायत राज प्रणाली, लोकतंत्र और गांधीजी के विचारों में रुचि रखते हैं:

(क) ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि: सरपंच, पंचायत सदस्य और अन्य स्थानीय नेतृत्वकर्ता।

(ख) स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी: पंचायत अधिकारी, विकास अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी।

(ग) समाजसेवी संगठन: जो पंचायतों के सशक्तिकरण और विकास के लिए काम कर रहे हैं।

(ध) शिक्षक और छात्र: जो पंचायत राज और गांधीवादी दृष्टिकोण पर अध्ययन और विचार विमर्श करना चाहते हैं।

(ङ) नीतिक नेता और नीति निर्माता: जो पंचायत राज प्रणाली को आगे बढ़ाने और उसमें सुधार लाने के लिए काम कर रहे हैं।

(च) सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक: जो पंचायतों के समग्र विकास और नागरिक अधिकारों के लिए सक्रिय हैं।

चंपारण सत्याग्रह - 2025

पंचायती राज पर आधारित सम्मेलन

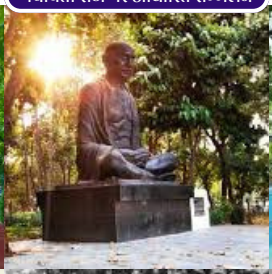

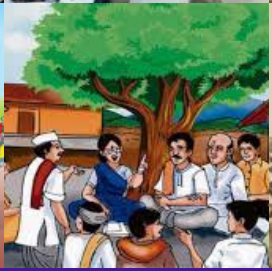

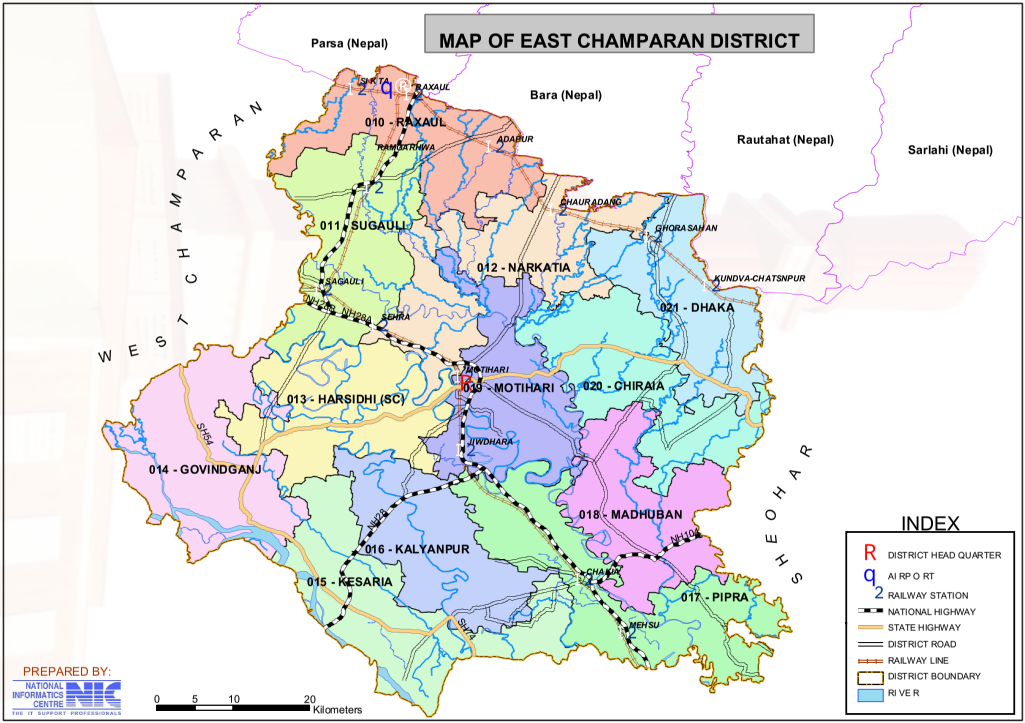

MAP OF EAST CHAMPARAN DISTRICT

चंपारण सत्याग्रह - 2025

पंचायती राज पर आधारित सम्मेलन